श्री रत्नप्रभाकर ज्ञान पुष्पमाला पुष्प नम्बर ४०.

श्रीरत्नप्रभसूरीश्वर सद्गुरुभ्यो नमः ।

श्रीमद्

देवर्द्धिगणी क्षमाश्रमण प्रणीतम्

अथ श्री

नन्दीसूत्र मूल पाठः

संशोधक—

श्रीमदुपकेश (कमला) गच्छीय

मुनिश्री ज्ञानसुन्दरजी (गयवरचन्दजी)

द्रव्य सहायक—

श्री फलोदी संघ

स्वपनादिकी बोलीकी उपजमेंसे मु० ओसीया ।

प्रकाशक—

शा० माणेकलाल अनुपचन्द, मु० सूरत

प्रथमावृत्ति] वीर सं० २४४७. [प्रत १०००.

'जैनविजय' प्रिन्टिंग प्रेस—सूरतमें

मूलचन्द किसनदास कापड़ियाने मुद्रित किया ।

॥ अर्हं ॥

"श्री नंदिसूत्रमहात्म्य"

नमो नंदिमहानंदिसूत्राय सूक्त भासते ॥
किंचित्तस्य महात्म्यश्च लिखामि लोकभाषया ॥१॥

" सुविदितमेतत् सकलसुखावह प्रवाहवाहिनी वीरवाणी जयतितराश्चेति " अतः श्रीसकलसंघ समुदायने सविनय प्रार्थना पूर्वक विदित करवानुके श्री वीतराग महाराज श्री वीर वर्धमान महावीर प्रभुना श्रीमुखथी प्रकाशित थयेलां बार अंगसूत्रो छे, ते समग्र सूत्रज्ञाननुं महानिधान, स्याद्वाद द्वादशांगी वाणीनुं वदनकमल, त्रिकाल व्यवस्था स्वरुप आदर्श, त्रिकाल विलोकन सुलोचन, पापमोचन, संकटमोचन, जैन ज्योति प्रद्योतायमान् प्रदीप सकल जीव जीवन, ज्ञानात्मस्वरुप, सुगृहीत नामधेय, श्री नंदी सूत्र छे.

आ सूत्र देवर्द्धिगणिक्षमाश्रमण निर्ग्रंथ महाराजे लोकानुग्रहार्थे गद्यार्थ रुपमां रची महामणि चिंतामणि पेठे समग्र संघने समर्पण कर्युं छे.

आ आगमना पठनपाठनथी उभय लोक सफल थायछे, सुखविपाक फल करी भुक्तिमुक्ति प्राप्त थायछे. विशेषतः प्राचीन महापुरुषो प्रतिदिन नन्दी स्वाध्याय कर्या पछीथीज आहार पाणी करता, अने शिष्य प्रशिष्योने आज्ञापूर्वक पठन पाठन परंपरा कायम करावता हता.

आ नन्दीसूत्रनी स्वाध्याय बलशक्तिथी ज्ञानावर्णादि कर्मोनो क्षय थायछे, बुद्धि वृद्धि पामेछे, यादशक्ति, स्मरणशक्ति, मेधा प्रतिभा वृद्धि पामेछे, मगज स्वच्छ थायछे, देहदंड अपराधो क्षय पामेछे, चित्तवृत्ति एकाग्र रहेछे, कुण्डलिनी नाडी जागृत थायछे, नाभि कमल प्रफुल्लित थायछे, विचारबल, ज्ञानबल, पुण्य बल, धर्मबल, आरोग्यबल, आत्मबल, चारित्रबल, तपोबल, मनोबल, वचनबल, कायबल, क्रियाबल, स्वाध्यायबल, हृदयबल, आगमबल, समाधिबल, योगबल अने पुण्यानुबन्धिबल वृद्धि पामेछे. दुष्ट संस्कारो नाश पामेछे, तेथी दिव्य परमाणुओ स्वयं आकर्षित थई सदागमनी प्रतिष्टा करेछे. सुस्वप्नदर्शन, दिव्य दर्शन अने प्राचीन तीर्थ दर्शन थायछे, सूत्र देवता सानुकुल थई प्रतिक्षणे सद्बुद्धि आपेछे.

आ सूत्रनुं प्रतिदिन एक बे वखत अभिग्रह पूर्वक पठन पाठन करवुं, जेथी आजे पण अनेक चमत्कारो प्रगट थायछे.

आ सूत्र पांचमा आरामां कुंड़ामां रत्नरुपछे, अक्षरे अक्षर मंत्रविद्यागर्भित आ पवित्र नन्दीसूत्रनो अवश्य स्वाध्याय करवो. भव्यात्माओए त्रिकाल विजयी नन्दी महानन्दी सूत्रनुं अवश्य पठन पाठन करवुं, कारणके "**स्वाध्यायः परमं तपः**" माटे नन्दीसूत्र वांचो अने वंचावो. सुज्ञेषु किं बहुना. सविनय प्रार्थना. इत्यलम् । तथास्तु ।

"**धर्म रत्न**"

॥ श्रीमद्देवर्द्धिगणिक्षमाश्रमणप्रणीत ॥

श्री नन्दीसूत्र मूलपाठः।

जयइ जग जीव जोणी वियाणओ। जगगुरू जगाणंदो।
जगनाहो जगबंधू। जयइ जगपियामहो भयवं ॥ १ ॥
जयइ सुआणं पभवो। तित्थयराणं अपच्छिमो जयइ॥
जयइ गुरूलोगाणं। जयइ महप्पा महावीरो ॥ २ ॥
भद्दं सव्वं जगुज्जोयगस्स । भद्दं जिणस्स वीरस्स ॥
भद्दं सुरासुरनमंसियस्स । भद्दं धुयरयस्स ॥ ३ ॥
गुणभवणगहण। सुयरयण भरियं दंसणविसुद्धरत्थागा
संघ नगर भद्दंते। अखंड चारित्तपागारा ॥ ४ ॥
संजम तव तुंबरयस्स । नमो सम्मत्त पारियाल्लस्स ॥
अप्पडिचक्कस्स जाओ होउ सया संघचक्कस्स ॥ ५ ॥
भद्दं सील पडागूसियस्स। तव नियम तुरय जुत्तस्स ॥
संघरहस्स भगवओ। सज्झाय सुनंदिघोसस्स ॥६॥

कम्मरय जलोह विणिग्गयस्स। सुयरयण दीहनालस्स।
पंच महव्वय थिरकन्नियस्स। गुणकेसरालस्स ॥ ७ ॥
सावग जण महुअरि परिवुडस्स। जिण सूर तेय बुद्धस्स
संघपउमस्स भद्दं। समण गण सहस्स पत्तस्स ॥ ८ ॥
तव संजम मयलंछण। अकिरिया राहुमुह दुद्धरिस
निच्चं ॥
जय संघ चंद। निम्मल सम्मत्त विसुद्ध जोण्हागा ॥९॥
पर तित्थिय गह पह नासगस्स। तवतेय दित्त लेसस्स।
नाणु ज्जोयस्स जए भद्दं दम संघ सूरस्स ॥ १० ॥
भद्दं धिइ वेला परिगयस्स। सज्झाय जोग मगरस्स ॥
अक्खोहस्स भगवओ। संघ समुद्दस्स रुंदस्स ॥११॥
सम्म दंसण वर वइर दृढ रूढ गाढ पेढस्स ॥
धम्म वररयण मंडिअ चामीयर मेहलागस्स ॥ १२ ॥
निय सूसिय कणय सिलायलुज्जल जलंत चित्त कूडस्स ॥
नंदण वण मणहर सुरभि सील गंधुद्धुमायस्स ॥१३॥
जीवदया सुंदर कंद रुइरिय मुणिवर मइंद इन्नस्स ॥
हेउ सय धाउ पगलंत रयणदित्तोसहि गुहस्स ॥१४॥
संवर वर जल पग लिय उज्झर पविराय माणहारस्स॥
सावग जण पउर खंत मोर नच्चंत कुहरस्स ॥ १५ ॥
विणय नय पवर मुणिवर फुरंत विज्जुज्जलंत सिहरस्स।

विविह गुण कप्प रुक्खग फलभर कुसुमाउल
वणस्स ॥ १६ ॥
नाण वर रयण दिप्पंत कंत वेरुलिय विमल चूलस्स ॥
वंदामि विणय पणओ संघ महामंदर गिरिस्स ॥१७॥
गुण रयणु ज्जल कडअं सील सुगंधि तव मंडिउद्देसं ॥
सुयवरसंगसिहरं संघ महामंदरं वंदे ॥ १८ ॥
नगर रह चक्क पउमे चंदे सूरे समुद्द मेरुमि ॥
जो उवमिज्जइ सयमं तं संघगुणायरं वंदे ॥ १९ ॥
वंदे उसभं अजियं संभव मभिनंदणं सुमइ सुप्पभं
सुपासं ॥
ससि पुप्फदंत सीयल सिज्जंसं वासुपुज्जं च ॥ २० ॥
विमल मणंत च धम्मं सन्तिं कुथुं अरं च मलिं च ॥
मुनिसुव्वय नमिनेमिं पासं तह वड्ढमाणं च ॥ २१ ॥
पढमित्थ इंदभूइ बीए पुणहोइ अग्गिभूइत्ति ॥
तईए य वाउभूइ तओ वियत्ते सुहम्मेय ॥ २२ ॥
मंडिअ मोरिय पुत्ते अकंपिए चेव अयल भायाय ॥
मे अज्जेय पहासेय गणहरा हुंति वीरस्स ॥ २३ ॥
निव्वुइ पह सासणयं जयइ सया सव्व भाव देसणयं॥
कुसमय मय नासणयं जिणिंदवर वीरसासणयं ॥२४॥

सुहम्मं अग्गिवेसाणं जंबुनामं च कासवं पभवं ॥
कच्चायणं वंदे वच्छं सिज्जंभवं तहा ॥ २५ ॥
जसभद्दं तुंगियं वंदे संभूयं चेव माढरं ॥
भद्दबाहुं च पाइन्नं थूलभद्दं च गोयमं ॥ २६ ॥
एलावच्चसगोत्तं वंदामि महागिरिं सुहत्थिं च ॥
तत्तो कोसिअगोत्तं बहुलस्स सरिव्वयं वन्दे ॥२७॥
हारिय गुत्तं साइंच वंदामी हारियं च सामज्जं ॥
वन्दे कोसिअ गोत्तं संडिल्लं अज्ज जीयधरं ॥ २८ ॥
तिसमुद्धखायकित्तिं दीवस मुद्देसु गहिय पेयालं ॥
वंदे अज्ज समुद्दं अक्खुभिय समुद्दगंभीरं ॥ २९ ॥
भणगं करगं झरगं पभावगं नाणदंसण गुणाणं ॥
वंदामि अज्ज मंगुं सुय सागर पारगं धीरं ॥ ३० ॥
वंदामि अज्ज धम्मं तत्तो वंदे य भद्दं गुत्तं च ॥
तत्तोय अज्ज वइरं तव नियम गुणेहिं वइर समं ॥३१॥
वंदामि अज्ज रक्खियं खमणे रक्खिय चारित्ते
सव्वस्से ॥
रयण करडंग भूओ अणुओग रक्खिओ जेहिं ॥३२॥
नाणंमि दंसणं मिअ तव विणए निच्च काल मुज्जुत्तं ॥
अज्जं नंदिलखमणं सिरसा वंदे पसन्नमणं ॥ ३३ ॥

वड्ढउ वायगवंसो जसवंसो अज्ज नागहत्थीणं ॥
वागरण करण भंगिय कम्मपयडी पहाणाणं ॥ ३४ ॥
जच्चंजण धाउ समप्पहाण मुद्दिय कुवलय निहाणं ॥
वड्ढउ वायगवंसो रेवइनक्खत्त नामाणं ॥ ३५ ॥
अयलपुरा णिक्खंते कालियसुय आणुओगिए धीरे ॥
बंभद्दीवठासीहे वायगपय मुत्तमं पत्ते ॥ ३६ ॥
जेसि इमो अणु ओगो पयरइ अज्ज विअड्ढ भरहम्मि ॥
बहु नयर निग्गय जसे तं वंदे खंदिलायरिए ॥३७॥
तत्तो हिमवन्त महंत विक्कमे धिइ परक्कम मणंते ॥
सज्झायं मणंतधरे हिमवंते वंदिमो सिरसा ॥ ३८ ॥
कालिय सुय अणु ओगस्स धारए धारए य पुव्वाणं ॥
हिमवंत खमा समणे वंदे नागज्जुणायरिए ॥ ३९ ॥
मिउमद्दव संपन्ने आणुपुव्वि वायगत्तणं पत्ते ॥
ओहसुय समायारे नागज्जुण वायए वंदे ॥ ४० ॥
गोवं दाणं पि नमो अणुओगो विउल धारिणिं दाणं ॥
दाणं निच्चं खंति दुयाणं परूवणे दुल्लभिं दाणं ॥४१॥
तत्तोय भूयदिन्न निच्चं तव संजमे अनिव्विणं ॥
पंडिय जण सामणं वंदामि संजमं विहण्णु ॥ ४२ ॥
वरकणगतविय चंपग विमउल वर कमल गब्भ सरिवन्ने।
भविअ जणहिययय दइए दयागुण विसारए धीरे ॥४३॥

अट्ठ भरह प्पहाणे बहुविह सज्झाय सुमुणिय पहाणे।
अणुओगिय वर वसभे नाइल कुल वंसनंदिकरे ॥४४॥
भूयहि अप्प गब्भे वंदेऽहं भूयदिन्न माय रिए ॥
भवभय वुच्छेय करे सीसे नागज्जुण रिसीण ॥४५॥
सुमुणिय निच्चा निच्चं सुमुणिय सुत्तत्थ धारयं वन्दे ॥
सब्भावुब्भावणया तत्थं लोहिच्चणामाणं ॥ ४६ ॥

अत्थ महत्थक्खाणिं सुसमण वक्खाण कहण
निव्वाणिं ॥

पयईइ महुरवाणिं पयओ पणमामि दूसगणिं ॥ ४७॥
तव नियम सच्च संजमं विणयज्जव खंति महवरयणं ॥
सील गुणगहियाणं अणुओगे जुगव्वहाणाणं ॥ ४८॥
सुकुमाल कोमल तले तेसिं पणमामि लक्खण पसत्थे
पाए पावयणीणं पडिच्छ सयए हि पाणि वइए ॥४९॥
जे अन्ने भगवन्ते कालिय सुय आणु ओगिए धीरे ॥
ते पणमि उण सिरसा नाणस्स परूवणा वोच्छं ॥५०॥*

इति ।

सेलघणं, कुडगं, चालणि, परिपूणगं, हंसं, महिसं, मेसेयं, मसगं, जलुगं, विरोली, जाहगं, [१२]गो, [१३]भेरी, आभेरी ॥ १ ॥

सा समासओ तिविहा पन्नत्ता तंजहा जाणिआ, अजाणिआ, दुव्विअड्ढा, जाणिआ जहा खीरमिव, जहा हंसा जे घुट्टन्ति इह गुरुगुण समिद्धा दोसे अविवज्जंति तं जाणसु जाणिआ परिसा। अजाणिया जहा जाहोइ पगइ मधुरा मिय छावय सीह कुक्कुडय भुआ। रयणमिव असं ठविआ। अजाणिआ साभवे परिसा। दुव्विअड्ढा जहा नय कत्थइ निम्माओ नय पुच्छइ परिभवस्स दोसेणं। वत्थिव्व वायपुण्णे फुट्टइ गामिल्लय विअड्ढो। नाणं पञ्चविहं पन्नतं तं जहा-आभिणि बोहिअ नाणं सुअ नाणं, ओहिनाणं, मणपज्जव नाणं, केवलनाणं तं समासओ दुविहं पन्नत्तं तं जहा पच्चक्खं च परोक्खं च। सेकिंतं पच्चक्खं। पच्चक्खं दुविहं पन्नत्तं तं जहा इंदिय पच्चक्खं। नोइंदिय पच्चक्खं च। सेकिंतं इंदिअ पच्चक्खं। इंदिअ पच्चक्खं पञ्चविहं पन्नत्तं तं जहा सो इंदिअ पच्चक्खं। चक्किरकदिअ पच्चक्खं। घाणिंदिअ पच्चक्खं। जिब्भिदिअ पच्चक्खं। फासिंदिअ पच्चक्खं। सेतं इंदिअ पच्चक्खं। सेकिंतं नो इंदिअ पच्चक्खं। नोइंदिअ पच्चक्खं तिविहं पन्नतं तं जहा-ओहिनाणं

नोइंदिअ पच्चक्खं। मणपज्जवनाणं नोइंदिअ पच्चक्खं। केवल नाणं नोइंदिअ पच्चक्खं। सेकिंतं ओहिनाण नोइंदिअ पच्चक्खं। ओहिनाण नोइंदिअ पच्चक्खं दुविहं पन्नत्तं तं जहा भवपच्चइअं च खओवसमं च सेकिंतं भवपच्चइयं भवपच्चइयं दुविहं पन्नता तं जहा देवाणय नेरइ आणय। सेकिंतं खओ वसिमिअं। खओ वसमिअं दुविहं पन्नत्तं तं जहा मणूसाणय पंचेंदिअ तिरिक्ख जोणिआणय। कोहेऊ खओवसमिअं। खओवसमिअं तयावरणि ज्ञाणं। कम्माणं उदिण्णाणं खएणं अणुदिण्णाणं उवसमेणं ओहिनाणं समुपज्जइ। अहवा गुणपडिवन्नस्स अणगारस्स ओहिनाणं समुपज्जइ तं समासओ छव्विहं पन्नत्तं तं जहा–आणुगामिअं, अणाणुगामिअं, वड्ढमाणयं, हीयमाणयं, पडिवाइयं, अप्पडिवाइयं, सेकिंतं आणुगामिअं ओहिनाणं १ आणुगामिअं ओहिनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा अंतगयं च मज्झगयं च सेकिंतं अंतगयं। अंतगयं तिविहं पन्नत्तं तं जहा पुर ओ अंतगयं। मग्गओ अंतगयं। पासओ अंतगयं सेकिंतं पुरओ अंतगयं १ पुरओ अंतगयं–से जहा

नामए केइ पुरिसे उक्कंवा चडुलिअं वा अलायं वा मणिं वा पइवं वा जोइं वा पुरओ काउं पणुल्लेमाणे २ गच्छेज्जा। सेतं पुरओ अंतगयं। सेकिंतं मग्गओ १ अंतगयं मग्गओ अंतगयंसे जहा नामए केइ पुरिसे उक्कं वी चडुलिअं वा अलायं वा मणिं वा पइवं वा जोइं वा मग्गओ काउं अणुकड्ढे माणे २ गच्छिज्जा सेतं मग्गओ अंतगयं। सेकिंतं पासओ अंतगयं। पासओ अंतगयं से जहा नामए केइ पुरिसे उक्कंवा चडुलिअं वा अलाअं वा मणिं वा पईवं वा जोइं वा पासओ काउं परिकड्ढे माणे २ गच्छिज्जा सेतं पासओ अंतगयं सेतं अंतगयं। सेकिंतं मज्झगयं। मज्झगयं से जहा नामए केइ पुरिसे उक्कं वा चडुलियं वा अलायं वा मणिं वा पईवं वा जोइं वा मत्थए काउं समुव्वह माणे २ गच्छिज्जा सेतं मज्झयं। अंतगयंस्स मज्झगयस्स य को पइविसेसो। पुरओ अंतगएणं ओहिनाणेणं पुरओ चेव संखिज्जाणिवा असंखेज्जाणिवा जोअणाइं जाणइ पासइ। मग्गओ अंतगएणं ओहिनाणेणं मग्गओ चेव संखिज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा

जोअणाइं जाणइ पासइ। पासओ अंतगएणं ओहि-
नाणेणं पासओ चेव संखिज्जाणि वा असंखेज्जाणि
वा जोअणाइं जाणइ पासइ। मज्झगएणं ओहिनाणेणं
सव्वओ समंता संखिज्जाणि वा असंखेज्जाणि वा
जोअणाइं जाणइ पासइ सेतं आणुगामिअं ओहि-
नाणं। सेकिंतं अणाणुगामिअं ओहिनाणं। अणाणु-
गामिअं ओहिनाणं से जहा नामए केइ पुरिसे एगं
महंतं जोइट्ठाणं काउं तस्सेव जोइट्ठाणस्स परिपेरं
तेहिरं परिघोले माणे २ तमेव जोइट्ठाणं पासइ अन्न-
त्थगए न जाणइ न पासेइ एवामेव अणाणुगामिअं
ओहिनाणं जत्थेव समुप्पज्जेइ तत्थेव संखिज्जाणिवा
असंखेज्जाणिवा संबद्धाणिवा असंबद्धाणिवा जो
अणाइं जाणइ पासइ अन्नत्थ गए न जाणइ न पासइ
सेतं अणाणुगामिअं ओहिनाणं। सेकिंतं वड्ढमाणयं
ओहिनाणं। वड्ढमाणयं ओहिनाणं पसत्थेसु अज्झ-
वसाणट्ठाणेसु वड्ढमाणस्स वड्ढमाण चरित्तस्स।
विसुज्झमाणस्स विसुज्झमाण चरित्तस्स। सव्वओ
समंता ओहिनाणं वड्ढइ—

जावइआ तिसमयाहारगस्स सुहुमस्स पणगजीवस्स॥
ओगाहणा जहन्ना ओहीखित्तं जहन्नं तु ॥ १ ॥

सव्व बहु अग्गणि जीवा निरंतरं जत्तियं भरिज्जंसु ॥
खित्तं सव्वदिसांग परमोही खेत्तनिद्दिट्ठे ॥ २ ॥

अंगुलमावलियाणं भाग मसंखिज्ज दोसु संखिज्जा ॥
अंगुलमावलिअंतो आवलिआ अंगुल पुहुत्तं ॥ ३ ॥

हत्थंमि मुहुत्तंतो, दिवसंतो गाउअमि बोद्धव्वो ॥
जोयण दिवसपुहुत्तं, पक्खंतो पन्नवीसाओ ॥ ४ ॥

भरहंमि अद्धमासो, जम्बुद्दीवंमि साहिओ मासो ॥
वासं च मणुअ लोए, वासपुहुत्तं च रुअगंमि ॥ ५ ॥

संखिज्जंमिउकाले, दीव समुद्दाऽविहुंति संखिज्जा ॥
कालंमि असंखेज्जा, दीवसमुद्दाउ भइअव्वा ॥ ६ ॥

काले चउण्हवुड्ढी, कालो भइअव्व खित्त वुड्ढीए ॥
वुड्ढीए दव्वपज्जव, भइअव्व खित्त कालाउ ॥ ७ ॥

सुहुमोअ होइ कालो, तत्तो सुहुमयरं हवइ खित्तं ॥
अंगुल सेढि मित्ते, ओसप्पिणि ओ असंखिज्जा ॥८॥

सेत्तं वड्ढमाणयं ओहिनाणं । सेकिंतं हीयमाणयं ओहिनाणं । हीयमाणयं ओहिनाणं अप्पसत्थेहिं अज्झवसाणट्ठाणेहिं वड्ढमाणस्स वड्ढमाणचरित्तस्स संकिलिस्स माणस्स संकिलिस्समाणचरित्तस्स सव्व-ओ समन्ता ओहि परिहायइ सेत्तं हीयमाणयं ओहि-

नाणं । सेकिंतं पडिवाइ ओहिनाणं । पडिवाइ ओहिनाणं जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जय भागं वा । संखिज्ज भागं वा । बालग्गं वा । बालग्ग पुहुत्तं वा । लिक्खं वा लिक्खपुहुत्तंवा जूअंवा जूअपुहुत्तंवा जवंवा जव पुहुत्तं वा । अंगुलं वा अगुलपुहुत्तं वा । पायं वा पायपुहुत्तं वा । विहत्थिं वा विहत्थिं पहुतं वा । रयणिं वा रयणि पहुतं वा । कुच्छिं वा कुच्छिपुहुत्तं वा । धणुं वा धणुपहुत्तं वा । गाउ वा गाउपुहुत्तं वा । जोअणं वा जोअणपुहुत्तवा । जो अणसयं वा जो अणसय पुहुत्तं वा । जो अण महस्स वा जो अणसहस्स पुहुत्तं वा । जो अणलक्खं वा जो अणलक्ख पुहुत्तं वा । जो अणकोडिं वा जो अणकोडि पुहुत्तं वा । जो अणकोडाकोडंवा जो अणकोडाकोड पुहुत्तं वा । जो अणसंखिज्जंवा जो अणसंखिज्ज पुहुत्तं वा । जो अण असंखेज्जं वा जो अणअसंखेज्ज पुहुत्तंवा उक्कासेणं लोगं वा पासित्ताणं पडिवइज्जा । सेतं पडिवाइ ओहिनाणं । सेकिंतं अपडिवाइ ओहिनाणं । अपडिवाइ ओहिनाणं जेणं अलोगस्स एगमवि आगास पएसं जाणइ पासइ तेणपरं अपडिवाइ ओहिनाणं । सेत्तं अपडिवाइ

ओहिनाणं । तं समासओ चउव्विहं पन्नतं तं जहा दव्वओ । खित्तओ । कालओ । भावओ । तत्थ दव्व ओणं ओहिनाणी जहन्नेणं अणंताइं रूविदव्वाइं जाणइ पासइ उक्कोसेणं सव्वाइं रूविदव्वाइं जाणइ पासइ । खित्तओणं ओहिनाणी जहन्नेणं अंगुलस्स असंखेज्जइ भागं जाणइ पासइ उक्कोसेणं असंखिजाइं अलोगे लोगप्पमाण मित्ताइं खंडाइं जाणाइ पासाइ । कालओणं ओहिनाणी जहन्नेणं आवलिआए असंखिज्जइं भागं कालं जाणइ पासइ उक्कोसेणं असंखिज्जाओ उस्सप्पिणीओ अवसप्पिणीओ अईय मणागयं च कालं जाणइ पासइ । भावओणं ओहिनाणी जहन्नेणं अणंते भावे जाणइ पासइ उक्केसेणं अणंते भावे जाणइ पासइ सव्व भावाण मणंत भागं भावे जाणइ पासइ सेत्तं ओहिनाणं । सेकिंते मणपज्जवनाणं । मणपज्जवनाणेणं भंते किं मणुस्साणं उप्पज्जइ अमणुस्साणं उप्पज्जइ । गोयमा । मणुस्साणं उप्पज्जइ नो अमणुस्साणं० । जइमणुस्साणं उप्पज्जइ किं संमुच्छिम मणुस्साणं० गब्भवक्कंति मणुस्साणं उप्पज्जइ । गो० । नोसमुच्छ० गब्भवक्कंतिय० जइ

गब्भवक्कंतियमणुस्साणं० किं कम्मभूमिअ गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० अकम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० अन्तरदीवगब्भ वक्कंतिय मणुस्साणं० उप्पज्जइ । गोयमा । कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० नो अकम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० नो अन्तरदीवग गब्भ वक्कंतिय मणुस्साणं उप्पज्जइ । जइ कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० किं संखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं असंखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० । गोयमा । संखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० नो असंखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं उप्पज्जइ । जइ संखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० किं पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमि गब्भवक्कन्तिय मणुस्साणं० अपज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभुमिगब्भ वक्कंतिय मणुस्साणं० । गोयमा । पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं उप्पज्जइ नो अपज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय

मणुस्साणं० । जइ पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्म-
भूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० किं सम्मदिट्ठि
पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कं-
तिय मणुस्साणं मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासा-
उय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० सम्म
मिच्छदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय
गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० ।

गोयमा सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्जवासाउय कम्म
भूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं उप्पज्जइ नो मिच्छ
दिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भ
वक्कंतिय मणुस्साणं० नो सम्ममिच्छदिट्ठि पज्जत्तग
संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणु-
स्साणं० । जइ सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय
कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० किं संजय
सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय
गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० असंजय सम्मदिट्ठि पज्ज-
त्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय
मणुस्साणं० । संजया संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग
संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणु-
स्साणं० । गोयमा संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज

वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० नो असंजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० नो संजयासंजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्जवासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० । जइ संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० किं पमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० । गोयमा नो पमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं उप्पज्जइ । जइ अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० । किं इड्ढीपत्त अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० अणिड्ढीपत्त अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय

भवक्कंतिय मणुस्साणं० ।

गोयमा इड्ढीपत्त अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं० उप्पज्जइ नो अणिड्ढीपत्त अपमत्त संजय सम्मदिट्ठि पज्जत्तग संखिज्ज वासाउय कम्मभूमिय गब्भवक्कंतिय मणुस्साणं ।

मणपज्जव नाणं समुप्पज्जइ तं च दुविहं उप्पज्जइ तं जहा उज्जुमई च विउलमई च तं समासओ चउव्विहं पन्नत्तं तं जहा-दव्वओ । खित्तओ । कालओ । भावओ । तत्थ दव्वओणं उज्जुमईणं अणंते अणंत पएसिए खंधे जाणइ पासइ तं चेव विउलमई अब्भहिय तराए विउलतराए विसुद्धतराए वितिमिरतराए जाणइ पासइ । खित्तओणं उज्जुमई अजहन्नेणं अंगुलस्स असंखिज्जय भागं उक्कोसेणं अहे जावइमीसे रयणप्पभाए पुढवीए उवरिम हेट्ठिल्ले खुड्डग पयरे उड्ढं जाव जोइसस्स उवरिमतले तिरियं जाव अन्तो मणुस्स खित्ते अड्ढाइज्जेसु दीवसमुद्देसु पन्नरस्स कम्मभूमिसु तीसाए अकम्मभूमिसु छपन्नाए अन्तरदीवगेसु सन्निपंचेंदिआणं पज्जत्तगाणं मणोगए भावे जाणइ पासइ तं चेव

विउलमई अड्ढइज्जेहि मंगुलेहिं अब्भहि अतरं विउलतरं विसुद्धतरं वितिमिरतरं खित्तं जाणइ पासइ। कालओणं उज्जुमई जहन्नेणं पलिओवमस्स असंखिज्जइ भागं उक्कोसेणं पलिओवमस्स असंखिज्जइ भागं अइय मणागयंवा कालं जाणइ पासइ तं चेव विउलमई अब्भाहियतरागं विउलतरागं विसुद्धतरागं वितिमिरतरागं जाणइ पासइ। भावओणं उज्जुमई जहन्नेणं अणंते भावे जाणइ पासइ उक्कोसेणं अणंते भावे जाणइ पासइ सव्व भावाणं अणंत भागं भावं जाणइ पासइ। तं चेव विउलमई अब्भाहियतरागं विउलतरागं विसुद्धतरागं वितिमिरतरागं भावं जाणइ पासइ ॥ मणपज्जवनाणं पुण जणमण परिचिं तिअत्थ पागडणं। माणुसखित्तं निबद्धं। गुण पच्चइअं चरित्तवओ ॥ १ ॥ सेत्तं मणपज्जवनाणं।

सेकिंतं केवलनाणं। केवलनाणं दुविहं पन्नतं तं जहा भवत्थ केवलनाणं च सिद्धत्थ केवलनाणं च। सेकिंतं भवत्थ केवलनाणं। भवत्थ केवलनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा सजोगि भवत्थ केवलनाणं च अजोगि

भवत्थ केवलनाणं च । सेकिंतं सजोगि भवत्थ केवलनाणं ? सजोगि भवत्थ केवलनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा पढमसमय सजोगि भवत्थ केवलनाणं अपढम समय सजोगि भवत्थ केवलनाणं अहवा चरम समय सजोगि भवत्थ केवलनाणं च अचरम-समय सजोगि भवत्थ केवलनाणं च । सेतं सजोगि भवत्थ केवलनाणं । सेकिंतं अजोगि भवत्थ केवल-नाणं । अजोगि भवत्थ केवलनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा पढम समय अजोगि भवत्थ केवलनाणं च अपढम समय अजोगि भवत्थ केवलनाणं च अहवा चरम समय अजोगि भवत्थ केवलनाणं च अचरम समय अजोगि भवत्थ केवलनाणं च सेतं अजोगि भवत्थ केवलनाणं । सेकिंतं सिद्ध केवलनाणं । सिद्ध केवलनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा अणंतर सिद्ध केव-लनाणं च परंपर सिद्ध केवलनाणं च । सेकिंतं अणं-तर सिद्ध केवलनाणं । अणंतर सिद्धकेवलनाणं पन्न-रस्सविहं पन्नत्तं तं जहा—

तित्थसिद्धा[1], अतित्थसिद्धा[2], तित्थयरसिद्धा[3], अतित्थयरसिद्धा[4], सयंबुद्धसिद्धा[5], पत्तेयबुद्धसिद्धा[6],

बुद्धबोहियसिद्धा, इत्थिलिंगसिद्धा, पुरिसलिंगसिद्धा, नपुंसगलिंगसिद्धा, सलिंगसिद्धा, अन्नलिंगसिद्धा, गिहिलिंगसिद्धा, एगसिद्धा, अणेगसिद्धा, सेत्तं अणंतरसिद्ध केवलनाणं। सेकितं परंपर सिद्धकेवलनाणं १ परंपरसिद्ध केवलनाणं अणेगविहं पन्नत्तं तं जहा अपढम समयसिद्धा दुसमयसिद्धा तिसमयसिद्धा जाव दस समयसिद्धा संखिज्ज समयसिद्धा असंखिज्ज समयसिद्धा अणंत समयसिद्धा। सेत्तं परंपर सिद्ध केवलनाणं। सेतं सिद्ध केवलनाणं॥

तं समासओ चउव्विहं पन्नत्तं तं जहा–दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ, तत्थ दव्वओणं केवलनाणी सव्वदव्वाइं जाणइ पासइ। खित्तओणं केवलनाणी सव्वखित्तं जाणइ पासइ। कालओणं केवलनाणी सव्वकालं जाणइ पासइ। भावओणं केवलनाणी सव्वंभावं जाणइ पासइ—

अह सव्व दव्व परिणाम भावविन्नत्ति कारणमणंते
सासय मप्पडिवाई एगविहं केवलनाणं॥ १॥
केवलनाणेणऽत्थे नाउं जेत्तत्थ पन्न वण जोगे।
ते भासइ तित्थयरो वइजोगसुअं हवइ सेसं॥ २॥

सेत्तं केवलनाणं सेतं पच्चक्खं नाणं ॥

सेकिंतं परुक्ख नाणं । परुक्खनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा-आभिणि बोहिअनाणं परुक्खं च । सुअनाण परोक्खं च जत्थआभिणि बोहियनाणं तत्थ सुअनाणं। जत्थ सुअनाणं तत्थाभिणि बोहियनाणं। दोऽवि एयाइं अन्नमन्नमणुगयाइं तहवि पुण इत्थ आयरिया नान्नत्तं पन्नवयंति-आभिनिबुज्झइत्ति आभिणि बोहियनाणं । सुणेइत्ति सुअं मइपुव्वं जेण सुअं नमइ सुअपुव्विआ । अविसेसिआ मइ-मइनाणं च मइ अन्नाणं च विसेसिआ सम्मदिट्ठिस्स मइ-मइनाणं । मिच्छदिट्ठिस्स मइ-मइ अन्नाणं । अविसेसिअं सुअं-सुअनाणं च सुअ अन्नाणं च विसेसिअं सुअं-सम्मदिट्ठिस्स सुअं-सुअ-नाणं=मिच्छदिट्ठिस्स सुअं-सुअ अन्नाण ।

सेकिंतं आभिणी बोहियनाणं । आभिणी बोहियनाणं दुविहं पन्नत्तं तं जहा सुयनिस्सियं च असुयनिस्सियं च । सेकिंतं असुयनिस्सियं । असुय निस्सियं चउव्विह पन्नत्तं तं जहा ।

उप्पत्तिआ वेणइआ कम्मआ परिणामिआ ॥
बुद्धि चउव्विहा वुत्ता पंचमी नो वलब्भइ ॥ १ ॥

पुव्वं अदिट्ठमस्सु अमवेइय तक्खण विसुद्ध गहि अत्था।
अव्वाहय फलजोगा बुद्धी उप्पत्ति आ नाम ॥ २ ॥
भरहसिल[1] पणिय[2] रुक्खे[3] खुड्डग[4] पड[5] सरड[6] काय[7] उच्चार[8] ।
गय[9] घयण[10] गोल[11] खंभे[12] खुड्डग[13] मग्गित्थि[14] पइ[15] पुत्ते[16]॥३॥
भरह[1] सिल[2] मिंढ[3] कुक्कुड[4] वालुअ[5] हत्थी[6] अगड[7] वणसंडे[8]॥
पायस[9] अइआ[10] पत्ते[11] खाडहिला[12] पंचपिअरो[13] ॥ ४ ॥
मुहुसित्थ[14] मुद्दि[15] अंके[16] नाणए[17] भिक्खु[18] चेडगनिहाणे[19] ॥
सिक्खा[20] अत्थसत्थे[21] इच्छायमहं[22] सयसहस्से[23] ॥ ५ ॥
भरनित्थरण समत्थाति वग्गसुत्तत्थ गहिअपे आला ॥
उभओ लोग फलवइ विणय समुत्था हवइ बुद्धि ॥६॥
निमित्ते[1] अत्थसत्थय[2] लेहे[3] गणिए[4] कूवे[5] अस्से[6] ॥
गद्दभ[7] लक्खण[8] गंठी[9] अगए[10] रहिए[11] गणियाय[12] ॥७॥
सीआसाडी दीहं चतणं अव सव्वयं च कुंचस्स[13] ॥
निव्वोदए[14] गोणे घोडगपडणं च रुक्खाओ[15] ॥ ८ ॥
उव ओगादिट्ठसारा कम्मपसंग परिघोलण विसाजा ॥
साहुक्वार फलवई कम्म समुत्था हवइ बुद्धि ॥९॥
हेरन्निए[1] करिसए[2] कोलिय[3] डोवेय[4] मुत्ति[5] घय[6] पवए[7] ॥
तुन्नाए[8] वड्ढइय[9] पूयइ[10] घडे[11] चित्तकारेय[12] ॥१०॥
अणुमाणहेउ दिट्ठंत साहिआ वयविवग परिणामा ॥
हिअनिस्सेअस फलवई बुद्धी परिणामिआ नाम॥११॥

अभए सिट्ठि कुमारे देवी उदिओदए हवइराया
साहुय नंदिसेणे धणदत्ते सावग अमच्चे ॥१२॥
खमए अमच्चपुत्ते चाणक्के चेव थूल भद्दे ॥
नासिक सुंदरिनंदे वइरे परिणाम बुद्धीए ॥१३॥
चलणाहणे आमंडे मणीय सप्पेय खग्गि थूभिंदे ॥
परिणामिय बुद्धीए एवमाई उदाहरणा ॥१४॥

सेत्तं असुअनिस्सियं। सेकिंतं सुअनिस्सियं। सुअनिस्सियं चउव्विहं पन्नत्तं तं जहा—उग्गहे ईहा अवाओ धारणा। सेकिंतं उग्गहे। उग्गहे दुविहे पन्नत्तं तं जहा—अत्थुग्गहे च वंजणुग्गहे च। सेकिंतं वंजणुग्गहे। वंजणुग्गहे चउव्विहे पन्नत्तं तं जहा—सोइंदि अवंजणुग्गहे घाणेंदिय वंजणुग्गहे जिब्भिंदिय वंजणूग्गहे फासिंदिय वंजणुग्गहे। सेत्तं वंजणुग्गहे। सेकिंतं अत्थुग्गहे। अथूग्गहे छव्विहं पन्नत्तं तं जहा—सोइंदिय अत्थुग्गहे। चक्खिंदिय अत्थुग्गहे। घाणिंदिय अत्थुग्गहे। जिब्भिंदिय अत्थुग्गहे। फासिंदिय अत्थुग्गहे। नोइंदिय अत्थुग्गहे। तस्सणं इमं एगट्ठिआ नाणाघोसा नाणावंजणा पंचनाम धिज्जा पन्नत्तं तं जहा—ओगेण्हणया उवधारणया सवणया अवलंबणया मेहा। सेत्तं उग्गहे। सेकिंतं ईहा। ईहा

छव्विहं पन्नत्तं तं जहा-सोइंदिय ईहा चक्खिंदिय ईहा घाणिंदिय ईहा जिब्भिंदिय ईहा फासिंदिय ईहा नोइंदिय ईहा तस्सणं इमं एगट्ठिआ नाणाघोसा नाणावंजणा पंचनाम धिज्जा पन्नत्ता तं जहा आभो गणया[1] मग्गणया[2] गवेसणया[3] चिंता[4] विमंसा[5] सेतं ईहा। सेकिंतं अवाए। अवाए छव्विहं पन्नत्तं तं जहा-सोइंदिय अवाए चक्खिंदिय अवाए घाणिंदिय अवाए जिब्भिंदिय अवाए फासिंदिय अवाए नोइंदिय अवाए तस्सणं इमं एगट्ठिआ नाणाघोसा नाणावंजणा पंचनाम धिज्जा पन्नत्ता तं जहा आउट्टणया[1] पचाउट्टणया[2] अवाए[3] बुद्धी विन्नाणे[4]। सेत्तं अवाए। सेकिंतं धारणा। धारणा छव्विहं पन्नत्तं तं जहा सोइंदिय धारणा चक्खिंदिय धारणा घाणिंदिय धारणा जिब्भिंदिय धारणा फासिंदिय धारणा नो इंदिय धारणा तस्सणं इमं एगट्ठिआ नाणाघोसा नाणावंजणा पंचनाम धिज्जा पन्नत्तं तं जहा धारणा[1] साधारणा[2] ठवणा[3] पइट्ठा[4] कोट्ठे[5] सेत्तं धारणा। उग्गहे एक समयए अन्तो मुहुत्तिआ ईहा। अन्तो मुहुत्तिए अवाए। धारणा संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं। एवं अट्ठावीस इविहस्स आभिणि बोहिय

नाणस्स वंजणुग्गहस्स परूवणं करिस्सामि। पडिबोहग दिट्ठंतेण। मल्लग दिट्ठंतेणय। सोकिंतं पडिबोहग दिट्ठंतेणं। पडिबोहग दिट्ठंतेणं सेजहा नामए केइ पुरिसे कंचि पुरिसं सुत्तं पडिबोहिज्जा अमुगा अमुगति तत्थ चो अगे पन्नवगं एवं वयासी किं एग समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति दुसमय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति तिसमय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति जाव दस समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति। संखिज्ज समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति। असंखिज्ज समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति। एवं वदंतं चो अंग पन्नवए एवं वयासी–नो एग समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति नो दु समय पोग्गला गहण मागच्छंति नो ति समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति जाव नो दससमय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति नो संखिज्ज समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति। असंखिज्ज समय पविट्ठा पोग्गला गहण मागच्छंति। सेत्तं पडिबोहग दिट्ठंतेणं। सोकिंतं मल्लग दिट्ठंतेणं। मल्लगदिट्ठंतेणं–से जहा नामए केइ पुरिसे आवाग सीसाओ मल्लगं गहाय तत्थेगं उदग बिंदुं पक्खे

विज्जा से नट्ठे। अन्नेऽवि पक्खित्ते सेऽवि नट्ठे। एवं पीक्ख-प्पमाणेसु पक्खिप्पमाणेसु होहीसे उदग बिंदू जेणंते मल्लगं रावेहि इत्ति होहीसे उदग बिंदू जेणं तं सि मल्लगंसि ठाहिति होहीसे उदगबिंदु जेणंतं मल्लगं भरिहिति होहीसे उदग बिंदू जेणंतं। मल्लगं पवाहेहिति एवामेव पक्खिप्पमाणेहिं पक्खिप्पमाणेहिं अणंतेहिं पोग्गलेहिं जाहे तं वंजणं पूरिअं होइ ताहे-हुंति करेइ। नोचेवणं जाणइ केवि एससद्दाइ। तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस सद्दाइ। तओ अवायं पविसइतओ से उवगयं हवइ। तओणं धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं। से जहा नामए केइ पुरिसे अव्वत्तं सद्दं सुणिज्जा तेणं सद्दोत्ति उग्गहिए नोचेवणं जाणइ के वेस सद्दाइ। तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस सद्दे। तओणं अवायं पवि-सइ तओसे उवगयं हवइ। तओ धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं। से जहा नामए केई पुरिसे अव्वत्तं रूवं पासे-ज्जा तेणं रूवत्ति उग्गहिए नो चेवणं जाणइ के वेस रूवत्ति। तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस

रूवेत्ति । तओ अवायं पविसइ तओसे उवगयं हवइ । तओ धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं । से जहा नामए केई पुरिसे अव्वत्तं गंधं अग्घाइज्जा तेणं गंधेत्ति उग्गहिए नो चेवणं जाणइ केवेस गंधेत्ति । तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस गंधे । तओ अवायं पविसइ तओ से उवगयं हवइ । तओ धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं । से जहा नामए केई पुरिसे अव्वत्तं रसं आसा इज्जा तेणं रसोत्ति उग्गहिए नोचेवणं जाणइ केवेस रसोत्ति । तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस रसे । तओ अवायं पविसइ तओ से उवगयं हवइ । तओ धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं । से जहा नामए पुरिसे अव्वत्तं फासं पडिसं वेइज्जा । तेणं फासेत्ति उग्गहिए नो चेवेणं जाणइ केवेस फास ओत्ति । तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस फासे । तओ अवायं पविसइ तओसे उवगयं हवइ । तओ धारणं पविसइ तओणं धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्जं वा कालं । सेजहा नामए केई पुरिसे अव्वत्तं सुमिणं पासिज्जा । तेणं

सुमिणोत्ति उग्गहिए नोचेवणं जाणइ केवल सुमिणोत्ति । तओ ईहं पविसइ तओ जाणइ अमुगे एस सुमिणे। तओ अवायं पविसइ तओसे उवगयं हवइ। तओ धारणं पविसइ तओ धारेइ संखिज्जं वा कालं असंखिज्ज वा कालं । सेतं मल्लग दिट्ठंतेणं । तं समासओ चउव्विहं पन्नतं तं जहा–दव्वओ, खित्तओ, कालओ, भावओ । तत्थ दव्वओणं, आभिणि बोहिय नाणी आएसेणं सव्वाइं दव्वाइं जाणइ न पासइ । खेत्ताओणं आभिणि बोहिय नाणी आएसेणं सव्वं खेतं जाणइ न पासइ । कालओणं आभिणि बोहियनाणी आएसेणं सव्वं कालं जाणइ न पासइ । भावओणं आभिणि बोहिय नाणी आएसेणं सव्वे भावे जाणइ न पासइ ॥

उग्गहई हाऽवाओ य धारणा एव हुंत्ति चत्तारि
आभिणि बोहिय नाणस्स भेयवत्थू समासेणं ॥ १ ॥
अत्थाणं उग्गहणंमि उग्गहे, तह विआलणे ईहा ॥
वयसायंमि अवाओ, धरणं पुण धारणं बिंति ॥२॥
उग्गह एक्कं समयं, ईहा वाया मुहुत्त मद्धंतु ॥
कालमसंखं संखं च, धारणा होइ नायव्वा ॥३॥

पुट्ठं सुणेइ सद्दं, रूवं पुण पासइ अपुट्ठं तु ॥
गंधं रसं च फासं च, बद्धपुट्ठं वियागरे ॥ ४ ॥
भासा समसेढीओ, सद्दं जंसुणइ मीसियं सुणइ ॥
वीसेढी पुण सद्दं, सुणइ नियमा पराघाए ॥ ५ ॥
ईहा अपोह वीमंसा, मग्गणा य गवेसणा ।
सन्ना सई मई पन्ना, सव्वं आभिणि बोहि अं ॥ ६ ॥
सेत्तं आभिणि बोहियनाण परोक्खं । (सेत्तं मइनाणं)

सेकिंतं सुयनाण परोक्खं । सुयनाण परोक्खं चोद्दस्स विहं पन्नतं तं जहा—अक्खरसुयं[1], अणक्खरसुयं[2], सन्निसुयं[3], असन्निसुयं[4], सम्मसुयं[5], मिच्छसुयं[6], साइ अंसुयं[7], अणाइ अंसुयं[8], सपज्ज वसिअंसुयं[9], अपज्ज वसिअंसुयं[10], गमिअंसुयं[11], अगमियसुयं[12], अंगपविट्ठंसुयं[13], अणंगपविट्ठंसुयं[14] । सेकिंतं अक्खरसुयं । अक्खरसुयं तिविहं पन्नतं तं जहा । सन्नक्खरं वंजण क्खरं लद्धिअक्खरं । सेकिंतं सन्नक्खरं । सन्नक्खरं अक्खरस्स संठाणगइ । सेतं सन्नक्खरं । सेकिंतं वंजणक्खरं । वंजणक्खरं अक्खरस्स वंजणाभिलावो सेत्तं वंजणक्खरं । सेकिंतं लद्धि अक्खरं । लद्धि अक्खरं अक्खर लद्धियस्स लद्धि अक्खरं समुप्पज्जइ

तंजहा सो इंदिय लद्धि अक्खरं चक्खिंदिय लद्धि अक्खरं घाणिंदिय लद्धि अक्खरं जिब्भिंदिय लद्धि अक्खरं फासिंदिय लद्धि अक्खरं नो इंदिय लद्धि अक्खरं। सेतं अक्खरसुयं। सेकिंतं अणक्खरसुयं। अणक्खरसुयं अणेगविहं पन्नतं तं जहा—

उसासियं नीससीयं निच्छूढं खासियंच छी अंच।
निस्सिंघि अमणुसारं अणक्खरं छेलि आइअं ॥ १ ॥

सेत्तं अणक्खरसुयं। सेकिंतं सन्निसुयं। सन्निसुयं तिविहं पन्नतं तं जहा-कालि ओवए सेणं दिट्ठि वा ओवए सेणं। सेकिंतं कालि ओवए सेणं जस्सणं अत्थि ईहा अवोहो मग्गणा गवेसणा चिंता विमंसा सेणं सन्नीति लब्भइ जस्सणं नत्थि ईहा अवोहो मग्ग-गवेसणा चिंता विमंसा सेणं असन्नीति लब्भइ। सेत्तं कालिओ वएसेणं। सेकिंतं हे उवएसेणं। हे उवएसेणं जस्सणं अत्थि अभिसंधारण पुव्विआ करणसत्ती सेणं सन्नीति लब्भइ। जस्सणं नत्थि अभिसंधारण पुव्विआ करणसत्तीसेणं असन्नीति लब्भइ। सेत्तं हे ऊवएसेणं। सेकिंत्तं दिट्ठिवा ओवएसेणं। दिट्ठिवाओ वएसेणं सन्निसुयस्स

खओवसमेणं सन्नी लब्भइ । असन्नि सुयस्स खओ-
वसमेणं असन्नि लब्भइ सेत्तं दिट्ठिवाओ वएसेणं ।
सेत्तं सन्निसुयं । सेत्तं असन्निसुयं । सेकिंतं सम्मसुयं ।
सम्मसुयं जं इमं अरहंतेहिं भगवंतेहिं उपन्ननाण
दंसण धरेहिं तेलुक्क निरिक्खिअ महिय पूइएहिं तीय
पडुप्पन्न मणागय जाणएहिं सव्वन्नूहिं सव्व दरिसीहिं
पणीअं दुवालसंगं गणिपिडगं तं जहा–आयारो,
सूयगडो, ठाणं, समवाओ, विवाहपन्नति, नायाध-
म्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणु-
त्तरो ववाइदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुयं,
दिट्ठिवाओ । इच्चेअं दुवाल संगं गणिपिडगं चोद्दस
पुव्विस्स सम्मसुयं अभिन्न दसपुव्विस्स सम्मसुयं तेणं
परं भिन्नेसु भयणा । सेत्तं सम्मसुयं । सेकिंतं मिच्छा-
सुयं मिच्छासुयं जं इमं अन्नाणि एहिं मिच्छादिट्ठि एहिं
सच्छंद बुद्धिमइ विगप्पिअं तं जहा भारहं, रामायणं,
भीमासुरुक्खं, कोडिल्लयं, सगड भद्दिआओ, खोड-
मुहं, कप्पासियं, नागसुहुमं, कणगसत्तरी, वइसेसिअं,
बुद्धवयणं, तेरासियं, काविलियं, लोगायतं, सट्ठितं तं,
माढरं, पुराणं, वागरणं, भागवं, पायंजली, पुस्सदेवयं,
लेहं गणियं, सउणरुअं, नाडयाइं, अहवा बावत्तरि

कलाओ, चत्तारिअ वेआ संगोवंगा एआइं मिच्छ-दिट्ठिस्स मिच्छत्त परिग्गहि आइं मिच्छासुयं एयाइं चेव सम्मदिट्ठिस्स सम्मत्तपरिग्गहि आइं सम्मसुयं अहवा मिच्छदिट्ठिस्सवि एयाइं चेव सम्मसुयं कम्हा। सम्मत्त हे उत्तणओ जम्हाते मिच्छदिट्ठिआ तेहिं चेव समएहिं चोइआ समाणा केइ सपक्खदिट्ठिओ चयंति सेत्तं मिच्छासुयं। सेकिंतं साइअं सपज्जवसिअं अणाइअं अपज्जवसिय सुयं। साइअं सपज्जवसिअं अणाइअं अपज्जवसिअं सुय-इचेइयं दुवालसंगं गणिपिडगं वुच्छित्ति नयट्ठयाए साइअं सपज्जवसिअं अवुच्छित्ति नयट्ठयाए अणाइअ अपज्जवसिअं० त समासओ चउव्विहं पन्नतं तं जहा-दव्वओ। खित्तओ। कालओ। भावओ। तत्थ दव्वओणं सम्मसुयं एगं पुरिसे पडुच्च साइअं सपज्जवसियं बहवे पुरिसेय पडुच्च अणाइयं अपज्जवसिअं। खेत्त-ओणं पंचभरहाइं पंचेखयाइं पडुच्च साइअं सपज्जव-सिअं पंचमहाविदेहाइं पडुच्च अणाइअं अपज्जवसिअं। कालओणं उस्सप्पिणिं ओसप्पिणिं च पडुच्च साइअं सपज्जवसिअं नो उस्सप्पिणिं नो ओसप्पिणिं च पडुच्च अणाइअं अपज्जवसिअं। भावओणं जे जया

जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति तयाभावे पडुच्च साइअं सपज्जवसिअं खाओवसमिअं पुणभावं पडुच्च अणाइअं अपज्जवसिअ। अहपा भवसिद्धियस्स सुयं साइअं सपज्जवसियं च अभवसिद्धियस्स सुयं अणाइअं अपज्जवसियं च सव्वागास पएसग्गं सव्वागास पएसेहिं अणंतगुणिअं पज्जवक्खरं निप्फज्जइ। सव्व जीवाणं पिअणं अक्खरस्स अणंतभागो निच्चुग्घाडिओ। जइ पुण सोऽवि आवरिज्जा तेणं जीवो अजीवत्तं पाविज्जा। सुट्ठु विमेह समुदए होइ पभा चंदसूराणं। सेत्तं साइअं सपज्जवसिअं सेत्तं साइअं सपज्जवसिअं सेत्त अणाइअं अपज्जवसिअं सुयं। सेकिंतं गमियं। गमियं दिट्ठिवाओ अगमियं कालिअं सुयं। सेत्तं गमियं। सेत्तं अगमियं। अहवा तं समासओ दुविहं पन्नत्तं तं जहा–अंगपविट्ठं। अंगबाहिरं। च। सेकिंतं अंगबाहिरं। अंगबाहिरं दुविहं पन्नत्तं तं जहा आवस्सअं च आवस्सय वइरित्तं च। सेकिंतं आवस्सयं। आवस्सयं छव्विहं पन्नत्तं तं जहा–सामाइअं, चउविसत्थओ, वंदणय, पडिक्कमणं, काउस्सग्गो, पच्चक्खाणं। सेत्तं आवस्सयं। सेकिंतं

आवस्सयं वइरित्तं । आवस्सय वइरित्तं दुविहं पन्नत्तं तं जहा–कालिअं च। उक्कालियं च। सेकिंतं उक्कालियं। उक्कालियं अणेगविहं पन्नत्तं तं जहा–दसवेआलियं, कप्पिआकप्पियं, चुल्लकप्पसुयं, महाकप्पसुयं, उववाइयं, रायपसेणियं, जीवाभिगमो, पन्नवणा, महापन्नवणा, पमायप्पमायं, नंदी, अणुओगदारायं, देविंदत्थओ, तंदुलवेआलियं, चंदाविज्झयं, सूरपन्नत्ती, पोरिसि मंडलं, मंडलपवेसो, विज्जाचरणविणिच्छओ, गणिविज्जा, ज्झाणविभत्ती, मरणविभत्ती आयविसोही वियरागसुयं, संलेहणासुयं, विहारकप्पो, चरणविही, आउरपच्चक्खाणं, महापच्चक्खाणं, एव माइ सेत्तं उक्कालियं सेकिंतं कालियं। कालियं अणेगविहं पन्नत्तं तं जहा–उत्तरज्झयणाइं, दसाओ, कप्पो, ववहारो, निसीहं, महानिसीहं, इसी भासिआइं, जंबुदीवपन्नत्ती चंदपन्नत्ती, दीवसागरपन्नत्ती, खुड्डिआ विमाण पविभत्ती, महल्लिआ विमाण पविभत्ती, अंग चुलिआ, वग्ग चुलिआ, विवाह चुलिआ, अरुणो ववाए, वरुणो ववाए, गरुलो ववाए, धरणो ववाए, वेसमणो ववाए, वेलंधरो ववाए, देविंदो ववाए, उट्ठाणसुए, समुट्ठाणसुए, नागपरि आवलिआणं, निरयावलिआणं, कप्पि-

आणं, कप्पवडिंसिआणं, पुप्फिआणं पुप्फचूलिआणं, वण्हीयाणं, वण्हीदसाणं, आसीविस भावणाणं, दिट्ठिविस भावणाणं, चारण सुमिण भावणाणं, महासुमिण भावणाणं, ते अग्गिनिसग्गाणं, एव माइयाइं। चउरासीइं। पइन्नग सहस्साइं भगवओ अरहओ उसह सामिस्स आइतित्थयरस्स। तहा संखिज्जाइं पइन्नग सहस्साइं मज्झि मगाणं जिणवराणं। चोद्दस पइन्नग सहस्साणि भगवओ वद्धमाणसामिस्स अहवा जस्स जत्तिआ सीसा उप्पत्तिआए वेणइआए कम्मयाए पारिणामिआए चउव्विहं बुद्धीए उववेआ तस्स तत्तिआइं पइन्नग सहस्साइं पत्तेअ बुद्धावि तत्तिआ चेव। सेत्तं कालियं सेत्तं उक्कालियं सुयं। सेत्त आवस्सयवइरित्तं। सेत्तं अणंग पविट्ठं सुयं। सेकिंतं अंग पविट्ठं। अंगपविट्ठं दुवाल सविहं पन्नत्तं तं जहा—आयारो, सूयगडो, ठाणं, समवायो, विवाह पन्नत्ती, नाया धम्मकहाओ, उवासगदसाओ, अंतगडदसाओ, अणुत्तर उववाइयदसाओ, पण्हावागरणाइं, विवागसुयं, दिट्ठिवाओ, सेकिंतं आयारे। आयारे समणाणं निग्गंथाणं आयार गोयर विणय वेणइय

सिक्खा भासा अभासा चरण करण जाया माया वित्तीओ आघविज्जंति से समासओ पंचविहं पन्नत्ते तं जहा नाणायारे दंसणायारे चरित्तायारे तवायारे वीरियायारे आयारेणं परित्ता वायणा संखिज्जं अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अगट्ठयाए पढमे अंगे दोसुक्खं धापणवीसं अज्झणा पंचासीइं उद्देसण काला पंचासीई समुद्देसण काला अट्ठार समय सहस्साणि पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइआ जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति से एवं आयासे एवं नायासे एवं विन्नायासे एवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ सेत्तं आयारे ॥ १ ॥

सेकिंतं सूयगडे। सूयगडेणं लोए सूइज्जइ अलोए सूइज्जइ लोआलोए सूइज्जइ जीवा सूइज्जइ अजीवा सूइज्जइ जीवाजीवे सूइज्जइ ससमए सूइज्जइ परसमए सूइज्जइ ससमय परसमए सूइज्जइ सूयगडेणं

असीअस्स किरियावाइसयस्स चउरासीइए अकि-
रिया वाईणं सत्तट्ठीए अन्नाणियवाईणं बत्तीसाए
वेणइ यवाईणं तिण्हं ते सट्ठाणं पासंडिअ सयाणं
वूहंकिच्चा ससमए ठाविज्जइ सूयगडेणं परित्ता वायणा
संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा
सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ
पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए
बिइए अंगे दोसुअक्खंधा तेवीसं अज्झयणा, तित्तीसं
उद्देसणकाला तित्तीसं समुद्देसणकाला छत्तीसं
पयसहस्सा णिपयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंता-
गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा
सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा
आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति
निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया
सेएवं विन्नाया सेएवं चरण करणपरूवणा आघविज्जइ
सेत्तं सूयगडे ॥ २ ॥

सेकिंतं ठाणे। ठाणे जीवा ठाविज्जंति अजीवा
ठाविज्जंति जीवाजीवे ठाविज्जंति ससमए ठाविज्जं-
ति परसमए ठाविज्जंति ससमए परसमए ठाविज्जं-
ति लोएठाविज्जंति अलोएठाविज्जंति लोआलोए-

ठाविज्जंति ठाणेणं टंका कूडा सेला सिहरिणो पब्भारा कुंडाइं गुहाओ आगरा दहा नईआ आघविज्जंति ठाणेणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए तइए अंगे एगे सुअक्खंधे दस अज्झयणा एगवीसं उद्देसण काला एगवीसं समुद्देसण काला बावत्तरि पयसहस्सा पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइआ जिणपन्नता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएव विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ। सेत्त ठाणे ॥ ३ ॥

सेकिंतं समवाए। समवाएणं जीवा समासिज्जंति अजीवा समासिज्जंति जीवाजीवा समासिज्जंति ससमए समासिज्जंति परसमए समासिज्जंति ससमए परसमए समासिज्जंति लोए समासिज्जंति अलोए समासिज्जंति लोए अलोए

समासिज्जंति समवाएणं एगइ आणं एगुत्तरिआणं ठाणसय विवड्ढिआणं भावाणं परूवणा आघविज्जइ दुवालसविहस्सय गणिपिडगस्स पल्लवग्गे समासिज्जंति समवायस्सणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए चउत्थे अंगे एगे सुअक्खंधे एगे अज्झयणे एगे उद्देसण काले एगे समुद्देसण काले एगे चोआले पयसयसहस्से पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तस्सा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति । सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ । सेत्तं समवाए ॥ ४ ॥

सेकिंतं विवाहे । विवाहेणं जीवा विआहिज्जंति अजीवा विआहिज्जंति जीवाजीवा विआहिज्जंति ससमए विआहिज्जंति परसमए विआहिज्जंति ससमए परसमए विआहिज्जंति लोए विआहिज्जंति

अलोए विआहिज्जंति लोआलोए विआहिज्जंति विवाहस्सणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए पंचमे अंगे एगे सुअक्खंधे एगे साइरेगे अज्झण सए दस उद्देसग सहस्साइं दस समुद्देसग सहस्साइं छत्तीसं वागरण सहस्साइं दोलक्खा अट्ठासीइं पय सहस्साइं पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विनाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ । सेत्तं विवाहे ॥ ५ ॥

सेकिंतं नाया धम्म कहाओ । नाया धम्म कहा सुणं नायाणं नगराइं उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाइं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियरो धम्मायरिया धम्म कहाओ इहलोइय परलोइया इड्ढिविसेसा पव्वज्जाओ परिआया सुअपरिग्गहा तवोवहाणाइं संलेहणाओ भत्त पच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं

देवलोगगमणाइं सुकुल पच्चायाईओ पुणबोहिलाभा अंत किरियाओ आघविज्जंति नाया धम्म कहाणं दस धम्म कहाणं वग्गा तत्थणं एगमेगाए धम्मकहाए पंच पंच अक्खाइआसयाइं एगमेगाए अक्खाइआए पच पंच उवक्खाइआसयाइं एगमेगाए उवक्खाइआए पंच पंच अक्खाइ उवक्खाइआ सयाइं एवमेव सपुव्वावरेणं अद्दुट्ठाओ कहाणगकोडीओ हवंतित्ति समक्खायं नाया धम्मकहाणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए छट्ठे अंगे दो सुअक्खंधे एगूणवीसं अज्झयणा एगूणवीसं उद्देसण काला एगूणविसं समुद्देसण काला संखिज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ। सेत्तं नाया धम्म कहाओ ॥ ६ ॥

सेकिंतं उवास गदसाओ । उवासगदसासुणं समणोवासयाणं नगराइं उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाइं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियारो धम्मायरिआ धम्मकहाओ इहलोइअपरलोइआ इड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाया पव्वज्जाओ परिआया सुअपरिग्गहा तवोवहाणाइं सीलव्वय गुणवेरमण पच्चक्खाण पोसहो ववास पडिवज्जणया पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं देवलोगगमणाइं सुकुल पच्चायाईओ पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ (अ) आघविज्जंति उवासगदसाणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए सत्तमे अंगे एगे सुअक्खंधे दस अज्झणा दस उद्देसण काला दस समुद्देसण काला संखिज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंता गमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएव आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ । सेत्तं उवासगदसाओ ॥ ७ ॥

सेकिंतं अंतगड दसाओ। अंतगड दसासुणं अंतगडाणं नगराइं उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाइं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियरो धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइय परलोइया इड्ढिविसेसा भोग-परिच्चाइया पव्वज्जाओ परिआया सुअपरिग्गहा तवो वहाणाइं संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओ वगम-णाइं अंतकिरियाओ आघविज्जंति अंतगडदसासुणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए अट्ठमे अंगे एगे सुअक्खंधे अट्ठ वग्गा अट्ठ उद्देसण काला अट्ठ समुद्देसण काला संखिज्जा पयसहस्सा पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासय-कड निबद्ध निकाइया जिणपन्नता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदं-सिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ। सेत्तं अंत-गडदसाओ ॥ ८ ॥

सेकिंतं अणुत्तरो ववाइ अदसाओ। अणुत्तरो ववाइ अदसासुणं अणुत्तरो ववाइ आणं नगराइं

उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाणं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियरो धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइय परलोइया इट्ठिविसेसा भोगपरिच्चाइया पव्वज्जाओ परिआया सुअपरिग्गहा तवोवहाणाइं पडिमाओ उवसग्गा संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं पाओवगमणाइं अणुत्तरो ववाइयत्ते उववत्ती सुकुल पच्चायाईओ पुणबोहिलाभा अंतकिरियाओ आघविज्जंति अणुत्तरो ववाइ अदसासुणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेगं अंगट्ठयाए नवमे अंगे एगे सुअक्खंधे तिन्निवग्गा तिन्नउद्देसण काला तिन्नसमुद्देसण काला संखिज्जा पयसहस्साइ पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया विनाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविजइ। सेत्तं अणुत्तरो ववाइ दसाओ ॥ ९ ॥

सेकिंतं पण्हा वागरणाइं। पण्हा वागरणे सुणं अट्ठुत्तरं पसिणसयं अट्ठुत्तरं अपसिणसयं अट्ठुत्तरं

पसिणापसिणसयं तं जहा-अंगुट्ठपसिणाइं बाहुपसि-
णाइं अद्दागपसिणाइं अन्नेवि विचित्ता विज्जाइसया
नागसुवन्नेहिं सद्धिं दिव्वा संवाया आघविज्जंति
पण्हा वागरणाणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओ-
गदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ
निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ संखिज्जाओ
पडिवत्तीओ सेणं अंगट्ठयाए दसमे अंगे एगे सुअ-
क्खंधे पणयालीसं अज्झयणा पणयालीसं उद्देसण
काला पणयालीसं समुद्देसण काला संखिज्जा पय-
सहस्साइं पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा
अणंता पज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सास-
यकड निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघवि-
ज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसि-
ज्जंति उवदंसिज्जंति सेएव आया सेएवं नाया सेएवं
विन्नाया सेएवं चरण करण परूवणा आघविज्जइ।
सेत्तं पण्हा वागराणाइ ॥ १० ॥

सेकिंतं विवाग सुयं। विवाग सुएणं सुकड दुक्कडाणं कम्माणं फल विवागे आघविज्जइ तत्थणं दस दुह विवागा दस सुह विवागा। सेकिंतं दुह विवागा दुह विवागे सुणं दुह विवागाणं नगराइं

उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाइं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियरे धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइय परलोइय इड्ढिविसेसा निरयगमणाइं संसारभव पवंचा दुह परंपराओ दुकुल पच्चायाईओ दुलह बोहि-अत्तं आघविज्जंति सेत्तं दुह विवागा। सेकिंतं सुह विवागा। सुह विवागे सुणं सुह विवागाणं नगराइं उज्जाणाइं चेइआइं वणसंडाइं समोसरणाइं रायाणो अम्मापियरो धम्मायरिया धम्मकहाओ इहलोइय परलोइयं इड्ढिविसेसा भोगपरिच्चाइया पव्वज्जाओ परिआया सुअपरिग्गहा तवोवहाणाइं संलेहणाओ भत्तपच्चक्खाणाइं देवलोग गमणाइं सुह परंपराओ सुकुल पच्चायाईओ पुण बोहिलाभा अंतकिरियाओ आघविज्जंति विवागसुयस्सणं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जा संगा-इणीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ सेणं अंगट्ठयाए एक्कार समे अंगे दो सुअक्खंधे वीसं अज्झयणा वीसं उद्देसण काला वीसं समुद्देसण काला संखिज्जा पय सहस्साइं पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागमा अणंता पज्जवा तसा अणंता थावरा सासयकड

निबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरणकरण परूवणा आघविज्जइ। सेत्तं विवाग सुयं ॥ ११ ॥

सेकिंतं दिट्ठिवाए। दिट्ठिवाएणं सव्वभाव परूवणा आघविज्जंति से समासओ पंचविहं पन्नत्तं तं जहा परिकम्मे, सूत्ताइं, पुव्वगए, अणुओगे, चूलियाओ। सेकिंतं परिकम्मे। परिकम्मे सत्तविहे पन्नत्ते तं जहा-सिद्धसेणिआ परिकम्मे, मणुस्ससेणिआ परिकम्मे, पुट्ठसेणिआ परिकम्मे, ओगाढसेणिआ परिकम्मे, उवसंपज्जसेणिआ परिकम्मे, विप्पजहसेणिआ परिकम्मे, चुआचुअसेणिआ परिकम्मे। सेकिंतं सिद्धसेणिआ परिकम्मे। सिद्धसेणिआ परिकम्मे चउद्दसविहे पन्नत्ते तं जहा-माउगापयाइं, एगट्ठिअपयाइं, अट्ठपयाइं, पाढोआभासपयाइं, केउभूअं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूअं, पडिग्गहो, संसार पडिग्गहो, नंदावत्तं, सिद्धावत्तं। सेत्तं सिद्धसेणिआ परिकम्मे ॥ १ ॥

सेकिंतं मणुस्ससेणिआ परिकम्मे। मणुस्ससेणिआ परिकम्म चउद्दस विहे पन्नत्ते तं जहा-माउगापयाइं, एगट्ठिअपयाइं, अट्ठपयाइं, पाढो आभासपयाइं, केउभूअं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं,

केउभूअं, पडिग्गहो, संसार पडिग्गहो, नंदावत्तं, मणुस्सावत्तं। सेत्तं मणुस्ससेणिआ परिकम्मे ॥ २ ॥

सेकिंतं पुट्ठसेणिआ परिकम्मे । पुट्ठसेणिआ परिकम्मे एक्कारस्सविहे पन्नत्ते तं जहा-पाढोआभास पयाइं, केउभूअं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूअं, पडिग्गहो, संसार पडिग्गहो, नंदावत्तं, पुट्ठावत्तं । सेत्तं पुट्ठसेणिआ परिकम्मे ॥ ३ ॥

सेकिंतं ओगाढसेणिआ परिकम्मे । ओगाढसेणिआ परिकम्मे एक्कारस्सविहे, पन्नत्ते तं जहा-पाढोआभासपयाइं, केउभूयं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूअं, पडिग्गहो, संसार पडिग्गहो, नंदावत्तं, ओगाढावत्तं । सेत्तं ओगाढसेणिअं परिकम्मे ॥ ४ ॥

सेकिंतं उपसंपज्जण सेणिआ परिकम्मे । उपसंपज्जण सेणिआ परिकम्मे एक्कारस्सविहे पन्नत्ते तं जहा-पाढोआभासपयाइं, केउभूअं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूअं, पडिग्गहो, संसार पडिग्गहो, नंदावत्तं, उपसंपज्जणावत्तं । सेत्तं उपसंपज्जण सेणिआ परिकम्मे ॥ ५ ॥

सेकिंतं विप्पजहण सेणिआ परिकम्मे । विप्पजहण सेणिआ परिकम्मे एक्कारस्स विहे पन्नत्ते तं जहा-पाढोआभासपयाइं, केउभूअं, रासिबद्धं, एगगुणं, दुगुणं, तिगुणं, केउभूअं, पडिग्गहो, संसार-

पडिग्गहो[9], नंदावत्तं[10], विप्पजहणावत्तं[11]। सेत्तं विप्पजहण सेणिआ परिकम्मे ॥ ६ ॥

सेकिंतं चुआचुअ सेणिआ परिकम्मे। चुआचुअ सेणिआ परिकम्मे एक्कारस्सविहे पन्नते तं जहा–पाढोआभासपयाइं[1], केउभूअं[2], रासिबद्धं[3], एगगुणं[4], दुगुणं[5], तिगुणं[6], केउभूअं[7], पडिग्गहो[8], संसार पडिग्गहो[9], नंदावत्तं[10], चुआचुअवत्तं[11]। सेत्तं चुआचुअ सेणिआ परिकम्मे ॥ ७ ॥

छचउक्कनइआइं सततेरासियाइं। सेत्तं परिकम्मे ॥ १ ॥

सेकिंतं सुत्ताइं। सुत्ताइं बावीसं पन्नत्ताइं तं जहा–उज्जुसुयं[1], परिणयापरिणयं[2], बहुभंगिअं[3], विजयचरियं[4], अणंत्तरं[5], परंपरं[6], मासाणं[7], संजूहं[8], संभिन्नं[9], आहव्वायं[10], सोवत्थिआवत्तं[11], नंदावत्तं[12], बहुलं[13], पुट्ठापुट्ठं[14], विआवत्तं[15], एवंभूअं[16], दुयावत्तं[17], वत्तमाणप्पयं[18], समभिरूढं[19], सव्वओभद्दं[20], पस्सासं[21], दुप्पडिग्गहं[22]। इच्चेइआइं बावीस सुत्ताइं छिन्नच्छेअनइआणि ससमय सुत्तपरिवाडीए इच्चेइआइं बावीस सुत्ताइं अच्छिन्नच्छेअनइआणि आजीविअसुत्त परिवाडीए। इच्चेइआइं बावीस सुत्ताइं तिगणइयाणि तेरासिअसुत्त परिवाडीए। इच्चेइआइं बावीस सुत्ताइं चउक्कनइआणि ससमयसुत्त परिवाडीए एवामेव सपुव्वावरेणं अट्ठासीई सुत्ताइं भवंतीति मक्खायं। सेत्तं सुत्ताइं ॥ २ ॥

सेकिंलं पुव्वगए । पुव्वगए चउद्दसविहे पन्नत्ते तं जहा-उप्पायपुव्वं, अग्गाणीयं, वीरियं, अत्थिनत्थिप्पवायं, नाणप्पवायं, सच्चप्पवायं, आयप्पवायं, कम्मप्पवायं, पच्चक्खाणप्पवायं, विज्जाणुप्पवायं, अवंज्झं, पाणऊ, किरियाविसालं, लोगबिंदुसारं । उप्पायपुव्वस्सणं दसवत्थू चत्तारि चूलिआवत्थू पन्नत्ता । अग्गाणीयपुव्वसणं चउद्दसवत्थू दुवालस चूलिआवत्थू पन्नत्ता । वीरिय पुव्वस्सणं अट्ठवत्थू अट्ठचूलिआवत्थू पन्नत्ता । अत्थि नत्थि प्पवाय पुव्वस्सणं अट्ठारस वत्थू दस चूलिआ वत्थू पन्नत्ता । नाणप्पवाय पुव्वस्सणं बारस्स वत्थू पन्नत्ता । सच्चप्पवाय पुव्वस्सणं दोन्निवत्थू पन्नत्ता । आयप्पवाय पुव्वस्सणं सोलस्स वत्थू पन्नत्ता । कम्मप्पवाय पुव्वसणं तीसंवत्थू पन्नत्ता । पच्चक्खाण पुव्वस्सणं वीसंवत्थू पन्नत्ता । विज्जाणुप्पवायस्सणं पन्नरस्स वत्थू पन्नत्ता । अवंज्झ पुव्वस्सणं बारस्स वत्थू पन्नत्ता । पाणाउ पुव्वस्सणं तेरस्स वत्थू पन्नत्ता किरिया विसाल पुव्वस्सणं तीसं वत्थू पन्नत्ता । लोगबिंदुसार पुव्वस्सणं पणवीसं वत्थू पन्नत्ता ।

दस चोदस अट्ठ अट्ठारसेव बारस दुवे अत्थूणि ।
सोलस तीसा वीसा पन्नरस अणुप्पवायंमि ॥ १ ॥
बारस इक्कारसमे बारसमे तेरसेव वत्थूणि ।
तीसा पुण तेरसमे चउद्दसमे पन्नविसाओ ॥ २ ॥
चत्तारि दुवालस अट्ठचवेदस चेव चूल्लवत्थूणि ।
आइल्लाण चउण्हं सेसाणं चूलिआ नत्थि ॥ ३ ॥

सेत्तं पुव्वगए ॥ ३ ॥ सेकिंतं अणुओगे । अणुओगे दुविहे पन्नत्ते तं जहा—मूलपढमाणुओगे । गंडिआणुओगे । सेकिंतं मूलपढमाणुओगे । मूलपढमाणुओगेणं अरहंताणं भगवंताणं पुव्वभवा देवगमणइं आउं चवणाइं जम्मणाणि अभिसेआ रायवरसिरीओ पव्वज्जाओ तवाय उग्ग केवल नाणुप्पयाओ तित्थपवत्तणाणि अर्सीसा गणा गणहरा अज्जयवत्तिणीओ संघस्स चउव्विहस्स जं च परिमाणं जिणमण पज्जव ओहिनाणी सम्मत्त सुअनाणिणोअ वाई अणुत्तरगईअ उत्तरवेउव्विणो अ मुणिणो जत्तिआ सिद्धासिद्धीपहो जह देसिओ जच्चिरं कालं पाओ वगया जे जहिं जत्तिआइं भत्ताइं छेइत्ता अंतगढे मुणिवरुत्तमे तिमिरओघ विप्पमुके मुक्ख सुह मणुत्तरं च पत्ते एवमन्ने एवमाइ भावा मूलपढमाणुओगे कहिआ । सेत्तं मूलपढमाणुओगे । सेकिंतं गंडिआणुओगे । गंडिआणुओगे, कुलगरगंडिआओ, तित्थयर गंडिआओ, चक्कवट्टिगंडिआओ, दसारगंडिआओ, बलदेव गंडिआओ, वासुदेव गंडिआओ, गणधर गंडिआओ, भद्दबाहु गंडिआओ, तवोकम्म गंडिआओ, हरिवंस गंडिआओ, उस्सप्पिणी गंडिआओ, ओसप्पिणी गंडिआओ, चित्तंतर गंडिआओ अमरनर तिरिअ निरयगइ गमण विविह परियट्टणेसु एवमाईआओ गंडिआओ, आघविज्जंति पन्नविज्जंति सेत्तं गंडिआणुओगे । सेत्तं अणूओगे ॥ ४ ॥

सेकिंतं चूलिआओ। चूलिआओ आइल्लाणं चउण्हं पुव्वाणं चूलिआ सेसाइं पुव्वाइं अचूलिआइं सेत्तं चूलिआओ ॥ ५ ॥

दिट्ठिवायस्स णं परित्ता वायणा संखिज्जा अणुओगदारा संखिज्जा वेढा संखिज्जा सिलोगा संखिज्जाओ निज्जुत्तीओ संखिज्जाओ पडिवत्तीओ संखिज्जाओ संगहणीओ सेणं अंगट्ठयाए बारसमे अंगे एगे सुअक्खंधे चउद्दस पुव्वाइं संखिज्जावत्थू संखिज्जा चूलवत्थू संखिज्जा पाहुडा संखिज्जा पाहुडपाहुडा संखिज्जाओ पाहुडिआओ संखिज्जाओ पाहुडपाहुडिआओ संखिज्जाइं पयसहस्साइं पयग्गेणं संखिज्जा अक्खरा अणंतागया अणंतापज्जवा परित्ता तसा अणंता थावरा सासयकडनिबद्ध निकाइया जिणपन्नत्ता भावा आघविज्जंति पन्नविज्जंति परूविज्जंति दंसिज्जंति निदंसिज्जंति उवदंसिज्जंति सेएवं आया सेएवं नाया सेएवं विन्नाया सेएवं चरणकरण परूवणा आघविज्जइ। सेत्तं दिट्ठिवाए ॥ १२ ॥

इच्चेइयंमिदुवालसंघे गणिपिडगे अणंताभावा अणंताअभावा अणंताहेउ अणंता अहेउ अणंता कारणा अणंता अकारणा अणंता जीवा अणंता अजीवा अणता भवसिद्धिया अणंता अभवसिद्धिया अणंतासिद्धा अणंता असिद्धा पन्नत्ता—

भावमभावा हेउ महेउ कारणमकारणे चेव ॥
जीवाजीवा भविअमभविआ सिद्धा असिद्धाय ॥१॥

इच्चेइअं दुवालसंगं गणिपिडगं तीए काले अणंता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं अणुपरिअट्टिंसु । इच्चेइअं दुवालसंगं गणिपिंडग पडुपन्नकाले परित्ता जीवा आणाए विराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं अणुपरि अट्टिंति । इच्चेइअं दुवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा अणाए विराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं अणुपरि अट्टिस्संति । इच्चेइअं दुवालसंगं गणिपिडगं तीए काले अणंताजीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं वीईवइंसु । इच्चेइअं दुवालसंग गणिपिडगं पडुपन्नकाले परित्ता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं वीईवयंति । इच्चेइअं दवालसंगं गणिपिडगं अणागए काले अणंता जीवा आणाए आराहित्ता चाउरंतं संसार कंतारं वीईवइस्संति । इच्चेइअं दुवालसंगं गणिपिडगं नकयाइनासी नकयाइ नभवइ नकयाइ नभविस्सइ भुविं च भवइ अभविस्सइअ धुवे निअए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए निच्चे से जहा नामए पंचत्थिकाए नकयाइ नासी नकयाइ नत्थि नकयाइ नभविस्सइ भुविं च भवइअ भविस्सइ अ धुवे नियए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए निच्चे एवामेव दुवालसंगे गणिपिडगे नकयाइ नासी नकयाइ नत्थि नकयाइ नभविस्सइ भुविं च भवइअ भविस्सइ अ धुवे

निअए सासए अक्खए अव्वए अवट्ठिए निच्चे से समासओ चउव्विहं पन्नत्तं तं जहा–दव्वओ। खित्तओ। कालओ। भावओ। तत्थ दव्वओणं सुअनाणी उवउत्ते सव्व दव्वाइं जाणइ पासइ। खित्तओणं सुअनाणी उवउत्ते सव्वं खेत्तं जाणइ पासइ। कालओणं सुअनाणी उवउत्ते सव्वं कालं जाणइ पासइ। भावओणं सुअनाणी उवउत्ते सव्वे भावे जाणइ पासइ। अक्खरसन्नी सम्मं। साइअं खलु सपज्जवसिअं च। गमिअं अंगपविट्ठं। सत्तवि एएसपडिवक्खा ॥ १ ॥

आगम सत्थग्गहणं। जं बुद्धिगुणेहिं अट्ठहिं दिट्ठं।
बिंति सुअनाण लंभं। तं पुव्व विसारया धीरा ॥२॥

सुस्सूसइ पडिपुच्छइ। सुणेइ गिण्हइ ईहएयावि।
तत्तो अपोहएवा। धारेइ करेइ वा सम्मं ॥ ३ ॥

मूअं हुंकारं वा बाढक्कार पडिपुच्छविमंसा।
तत्तो पसंग पारायणं च परिनिट्ठ सत्तमाए ॥ ४ ॥

सुत्तत्थो खलुपढमोबीओ निज्जुत्ति मीसिओ भणिओ।
तइओय निरविसेसो एसविही होइ अणुओगे ॥५॥

सेत्तं अंगपविट्ठं। सेत्तं सुअनाणं। सेत्तं परोक्खनाणं। सेत्तं नंदी सम्मत्ता ॥

॥ इति श्रीनंदीसूत्र मूलपाठः शम् ॥

जाहेर बे प्रश्नो।

आ नन्दीसूत्र तेमज बीजी पण प्राचीन पुस्तकोमां स्थिवरावलीनी ९० गाथाओ जोवामां आवे छे अने "आगमोदय" समितिथी छपाएला नन्दीसूत्रमां स्थिरावली ४३ गाथाओ छे तेमां गाथा १७-१८-३१-३२-४१-४२-४९ आ सात गाथाओनो तफावत छे तेने माटे बे कारण होवा जोइये क्यां तो कोई आचाय नवीन गाथाओ बनावी मूल पाठमां वधारो कर्यो होय, क्यां तो श्री **आनन्द-सागरजी** महाराजे आ गाथाओ मूल सूत्रमांथी कहाडी नांखी होय। एने माटे पुरतो खुलासो होवो जोइये। कारण मूल सूत्रमां न्युनाधिक थवुं ए कांई ओछी वात नथी तेथी कोई विद्वान खुलाशो करशे तो अमें तेओनो सविनय आभार मानीशुं.

लि०

मुनि ज्ञानसुन्दर.

ज्ञान बगीचेके पुष्पोंको कब सुंघोगे ?

श्री पार्श्वप्रभुके पांचमें पट्ट श्रीमाली, और पोरवाल, वंश स्थापन करनेवाले श्री संयप्रभसूरीके पट्टपर ओसवंशोत्पन्न करनेवाले श्रीमदुपकेश (कमला) गच्छाधिपति श्रीरत्नप्रभसूरीजी महाराज स्मरणार्थ श्रीरत्नप्रभाकर ज्ञानपुष्पमालाके पुष्प.

१	श्री प्रतिमाछत्तिसी.	०-०-६	
२	गयवरविलास.	०-४-०	
३	दानछत्तिशा.	०-०-६	
४	अनुकंपाछत्तिशी.	०-६-०	
५	प्रश्नमाला प्रश्न १००	०-०-०	
६	स्तवन संग्रह भा. १	०-२-०	
७	पैंतीश बोल.	०-२-०	
८	दादासाहबकी पूजा.	०-१-०	
९	चर्चाका पब्लिक नोटीस	भेट.	
१०	देवगुरु वन्दनमाला.	०-१-०	
११	स्तवनसंग्रह भा. २	०-२-०	
१२	लिंगनिर्णय.	०-१-०	
१३	स्तवनसंग्रह भा. ३	भेट.	
१४	सिद्धप्रतिमा मुक्तावली.	०-८-०	
१५	बत्तीस सूत्रदर्पण.	०-३-०	
१६	जैन नियमावली.	भेट.	
१७	८४ आशातना.	भेट.	
१८	डंके पर चोट (चर्चा)	भेट.	
१९	आगम निर्णय	०-१-०	
२०	चैत्यवन्दनादि	भेट.	
२१	जैन स्तुति	०-१-०	
२२	सुबोध नियमावली.	०-०-६	
२३	प्रभुपूजा	०-०-६	
२४	जैनदीक्षा	भेट.	
२५	व्याख्याविलास.	०-२-०	
२६	थोकडा प्रबन्ध भा. १	०-२-०	
२७	थोकडा प्रबन्ध भा. २	०-१-०	
२८	,, ,, भा. ३	०-२-०	
२९	,, ,, भा. ४	०-२-०	
३०	,, ,, भा. ५	छपते हैं.	
३१	सुखविपाक मूल सूत्रम्.		
३२	थोकडा प्रबन्ध भाग ६	भेट.	
३३	दशवैकालिकसूत्र मूल.	०-२-०	
३४	थोकडा प्रबन्ध भाग ७	भेट.	
३५	मेझरनामुं	०-८-०	
३६	त्रण निर्नामा लेखनो उत्तर.	भेट.	
३७	ओशीयां ज्ञान० लिष्ट		
३८	थोकडा प्रबन्ध भाग ८		
३९	थोकडा प्रबन्ध भाग ९		
४०	श्री नन्दीसूत्र मूलपाठः		
४१	तीर्थयात्रा	भेट.	
४२	थोकडा प्रबन्ध भाग १०	(प्रे)	

श्री रत्नप्रभाकर ज्ञान पुष्पमाला मु० ओसीया तथा फलोदी=जीला जोधपुर-मारवाड.